>

Title: Need to provide complete information on the harmful ingredients and effects of tobacco products to the consumers.

श्री गजानन ध. बाबर (मावल): तम्बाकू पुड़िया में वास्तव में कितना जहर है इसमें कौन–कौन से जानलेवा रसायन और विष इंसानी जिन्दगी से जुड़े हैं, ये बेहद जरूरी तथ्य हैं। लेकिन इसकी जानकारी आम नागरिक को ही नहीं बल्कि हमारी पूरी कार्यपालिका को भी उपलब्ध नहीं है। सवाल पूछे जाने पर सरकार का यही जवाब होता है कि इससे जानने की कोशिश की जा रही है। केन्द्रीय तम्बाकू शोध संस्थान राजसमुन्दरी तम्बाकू संबंधी जांच के लिए देश में अकेली विशेषज्ञ प्रयोगशाला है, लेकिन अहम पैमाने पर इसने भी अपनी असमर्थता जाहिर कर दी।

एक रिपोर्ट के अनुसार पान मसाला में निकोटीन का स्तर गुटखा एवं खैनी से भी ज्यादा पाया गया है। वर्तमान में देश में भले ही 15 हजार करोड़ से ज्यादा के गुटखे और पान मसाला कारोबार से सरकार अनेक तरह के शुल्क वसूलती है, इनके ग्राहकों को यह भी नहीं बताया जाता है कि इनमें खतरनाक तत्वों की मात्रा कितनी है, पुड़िया पर केवल अधूरी ही चेतावनी (तम्बाकू से कैंसर होता है) लिखी है, जो नाकाफी है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि सरकार इनसे कर वसूलती है, तो ग्राहकों को इसकी उचित जानकारी देना सरकार का कर्तव्य है । इसकी जांच के लिए आवश्यक प्रयोगशालाएं बनाई जाएं, ग्राहकों को उचित जानकरी दी जाये। यदि ऐसा नहीं हो सकता है, तो समूचे देश में तम्बाकू सहित पान मसाला उत्पादन पर रोक लगाई जाए, जिससे ग्राहकों एवं देश के नवयुवकों को बचाया जा सके।